मुख्य हिमालय का परिचय

- विस्तार :- सिंधु गॉर्ज से दिहांग/ब्रह्मपुत्र गॉर्ज या नंगा पर्वत से नामचाबरवा चोटी या 74°E से 96°E देशांतरो के मध्य उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व दिशा में।
- लंबाई :- 2500 KM (चापाकार/धनुषाकार/तलवारनुमा)
- चौडाई :- पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ती है।
  - 160 से 400 KM (NCERT 11th)
  - बिहार बोर्ड के अनुसार कश्मीर में चौड़ाई 500 KM व अरुणाचल प्रदेश में 160 km है
- औसत ऊंचाई = 6000 मीटर

मुख्य हिमालय

- → महान/वृहद्/हिमानी/हिमाद्रि/आंतरिक हिमा०/केन्द्रीय अक्षीय श्रेणी
- → मध्य/लघु हिमालय
- → बाह्य हिमा०/शिवालिक श्रेणी

महान हिमालय:- औसत ऊंचाई 6100 मी. है तथा यह विश्व का सर्वाधिक सतत् (continous) व सबसे ऊंचा पर्वत है तथा यहां कई चोटियां 8000 मी से अधिक ऊंचाई की हैं।

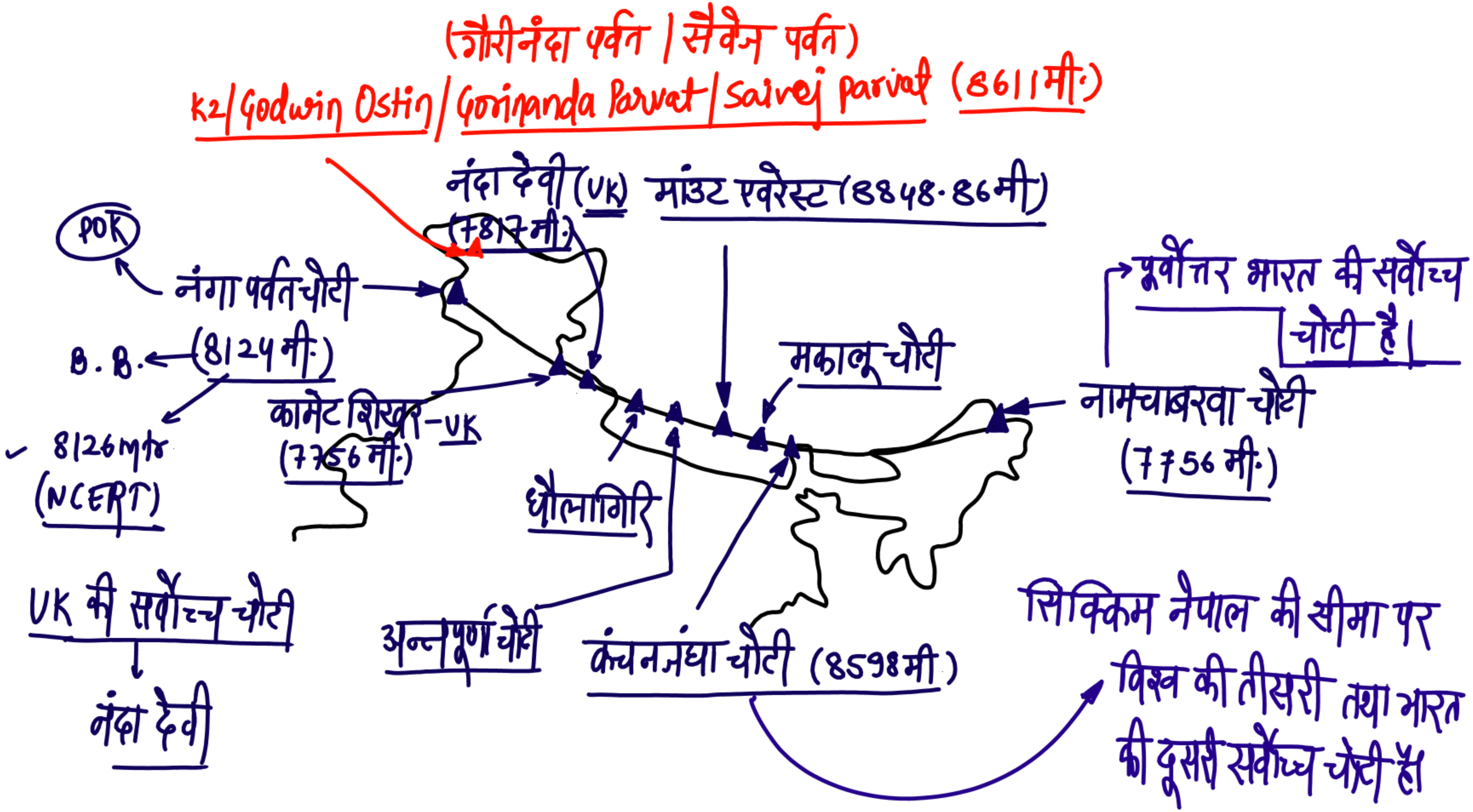
(गौरीनंदा पर्वत | सैवेज पर्वत)
K2/Godwin Ostin/Gorinanda Parvat/Saivej parvat (8611मी.)
नंदा देवी (UK) (7817मी.)
मांउट एवरेस्ट (8848.86मी)
POK
नंगा पर्वत चोटी
(8124मी.)
B.B.
8126 mtr (NCERT)
कामेट शिखर-UK (7756मी.)
मकालू चोटी
पूर्वोत्तर भारत की सर्वोच्च चोटी है।
नामचाबरवा चोटी (7756 मी.)
धौलागिरि
अन्नपूर्णा चोटी
कंचनजंघा चोटी (8598मी)
सिक्किम नेपाल की सीमा पर विश्व की तीसरी तथा भारत की दूसरी सर्वोच्च चोटी है।
UK की सर्वोच्च चोटी
नंदा देवी

माउंट एवरेस्ट :- तिब्बत-नेपाल सीमा पर स्थित विश्व की सर्वोच्च चोटी है
(8848.86 मी.)

जिस पर सर्वप्रथम वर्ष 1953 में न्यूजीलैंड के एडमंड हिलेरी तथा तेनजिंग नॉर्गे शेरपा (नेपाली मूल के) पहुंचे थे।

चढ़ने वाली प्रथम महिला → जुंको ताबई (जापान की थी) → 16.May.1975 में पहुंची (मृत्यु - 2016)

→ प्रथम भारतीय महिला - बछेन्द्री पाल (हरियाणा)
  → वर्ष - 23.May.1984

→ प्रथम दिव्यांग भारतीय महिला = अरुणिमा सिन्हा
  → पुस्तक - Born Again on the Mountain

→ नेपाल में इसे सागरमाथा तथा तिब्बत में चैमोलुंगमा कहा जाता है।

महान हिमालय के दर्रे :-

जोजिला दर्रा (लद्दाख) → श्रीनगर + लेह

बुर्जिल दर्रा (POK) → श्रीनगर को गिलगित-बाल्टिस्तान से जोड़ता है।

शिपकीला दर्रा (HP) → (इस दर्रे से भारत में सतलज नदी प्रवेश करती है)

थागाला, माणा, नीति, लिपुलेख दर्रे (पश्चिम से पूर्व की ओर UK में)

नाथुला व जेलेप्ला दर्रे → प. बंगाल के कलिम्पोंग व ल्हासा को जोड़ता है।

बोमडीला दर्रा

यांग्याप दर्रा → ब्रह्मपुत्र का भारत में प्रवेश

दीफू दर्रा → भारत-चीन-म्यांमार के ट्राइ जंक्शन पर

तुजु दर्रा → मणिपुर

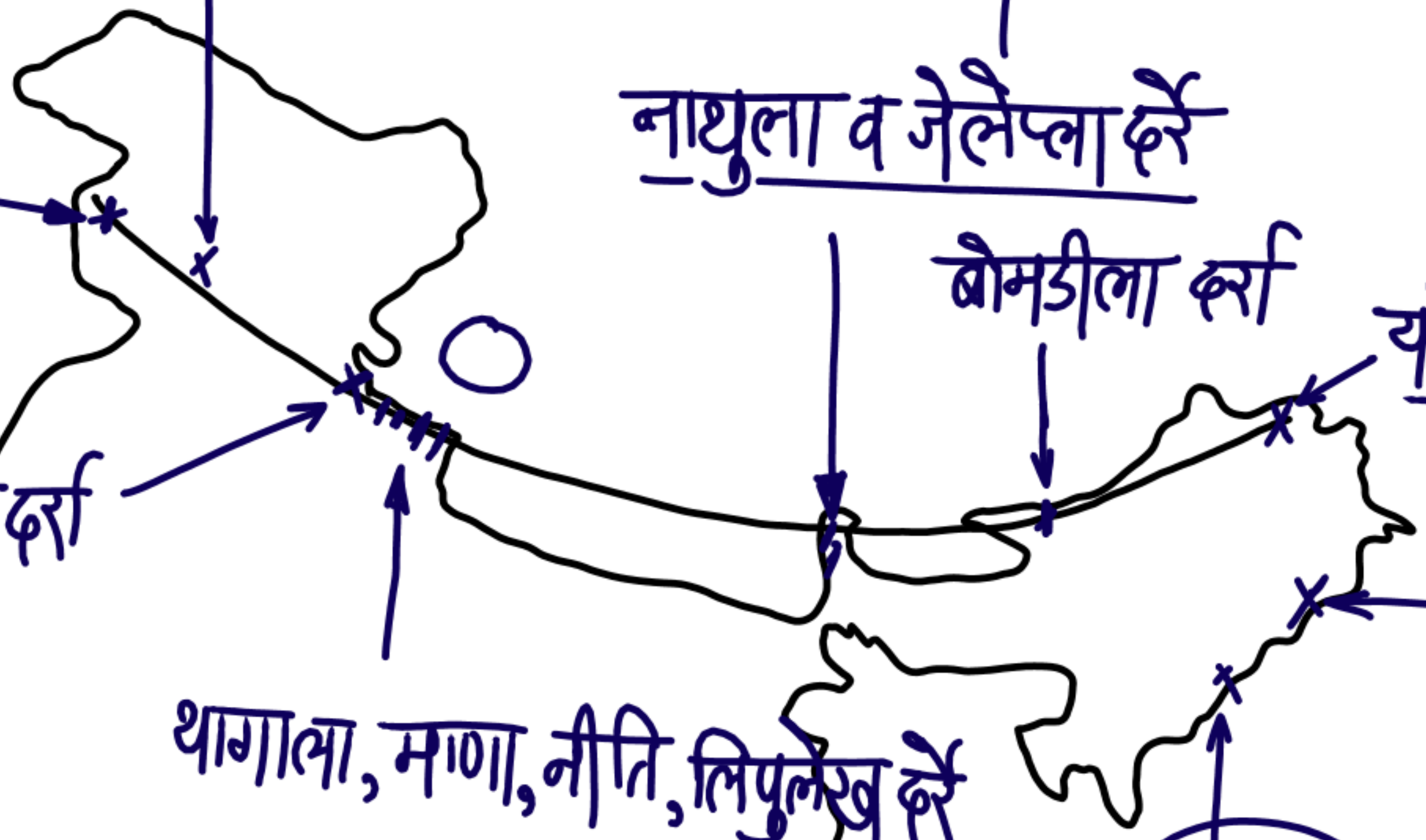

* नीति व लिपुलेख दर्रे से कैलास-मानसरोवर की यात्रा की जाती है।
  ↓
  इसे कैलास-मानसरोवर का द्वार भी कहा जाता है।

* वर्ष 1962 में भारत-चीन युद्ध के पश्चात् दोनों देशों के मध्य पुनः व्यापारिक संबंध वर्ष 2006 में बहाल हुए तथा प्रथम व्यापारिक आवागमन नाथुला दर्रे से किया गया।